बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १८ जून, २००६)

(समय : सुबह ९:०० से १०:३०) | **सत्संग प्रवेश - १** | **कुल प्राप्तांक : ७५**

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : नीलकंठ चरित्र - प्रथम आवृत्ति, जुलाई २०००

प्रश्न.१. निम्न विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(६ गुण)**

१. ''महाराज ! कौन-से गाँव में रहते हैं ? क्या नाम है ? क्या जाति है ?'' ७४
२. ''वर्णी साक्षात् परमात्मा है, यह दृढ निश्चय कर लो ।'' १११
३. ''यह सेवा तो मैं खुद करुँगा । कोई परिश्रम नहीं होगा ।'' ९६

प्रश्न.२. निम्न विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. सूर्यनारायण साक्षात् मूर्तिमान मनुष्य जैसा रूप धारण करके प्रकट हुए । २५
२. जयदेव ने अपनी पुत्री का विवाह मुकुंददेव के पुत्र से तोड़ दिया । ५४
३. भगवानदास ने नीलकंठ को भगवान माना । ६०

प्रश्न.३. निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. जांबुवन का कल्याण । ४३
२. काठमंडु में राजा को आशीर्वाद । ३१
३. नरसिंह मेहता को दर्शन । ८१

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५ गुण)**

१. पुरी के साधु भेख के नाम पर क्या करते थे ? ४८
२. कालभैरव ने भूतों से क्या कहा ? २१
३. नीलकंठ ने पिबैक और उसके शिष्यों को कैसी दीक्षा दी ? ३७
४. नीलकंठ को किसने कौन-सी नदी में फैंक दिया ? २
५. विभिषण की प्रार्थना से रामचंद्रजी ने क्या किया ? ६२

प्रश्न.५. निम्न विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) की निशानी करें । **(६ गुण)**

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही की निशानी की होगी तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. नीलकंठ सूरत पहुँचे तब क्या हुआ था ? ६६
(१) ☐ निर्वाण अखाड़े के राधाकृष्ण मंदिर में ठहरे ।
(२) ☐ मंदिर के पूजारी प्रसादी का थाल लाये ।
(३) ☐ नीलकंठ तीन दिन तक भूखे प्यासे रहे ।
(४) ☐ एक व्यक्ति ने भोजन सामग्री दी, उसे पकाकर नीलकंठ ने आहार किया ।

२. घनश्याम ने किसे दिव्य स्वरूप के दर्शन दिए ? ६
(१) ☐ सुखनंदन । (२) ☐ वेणीराम । (३) ☐ प्राग । (४) ☐ रघुनंदन ।

३. राजा रणजितसिंह का नीलकंठ के साथ मिलन । १५
(१) ☐ अब में आपके चरण नहीं छोडुँगा ।
(२) ☐ मेरी स्मृति करते हुए राज्य करना ।
(३) ☐ मेरा ज्ञान तुम्हारे अंतर में स्थिर होगा तो राज्य तुम्हे बंधन नहीं करेगा ।
(४) ☐ आपने मेरी बहुत सेवा की है ।

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,
परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १८ जून, २००६. परीक्षा - सत्संग प्रवेश - १. माध्यम - हिन्दी. समय - सुबह ९:०० से १०:३०)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

४०१

परीक्षार्थी की अटक : | परीक्षा दी वह दिनांक :
परीक्षार्थी का नाम : | परीक्षा दी तब का समय :
पिता / पति का नाम : | बैठक क्रमांक : ☐☐☐☐☐☐
परीक्षा स्थल का नाम : | केंद्र नंबर : ☐☐☐☐
परीक्षार्थी की सही : | केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

प्रश्न.६. निम्न विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(४ गुण)**

१. पालने में ..... की मूर्ति के स्थान पर सभी को नीलकंठ वर्णी के दर्शन हुए । ९१
२. लालजी सुथार (बढ़ई) लोज न जाकर ..... गये । १०१
३. नीलकंठ ने तोताद्रि में ..... से स्त्री के त्याग की बात की । ६४
४. नीलकंठ ..... ऋषि के पास अष्टांग योग शिखे थे । ३०

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-१ - प्रथम आवृत्ति, जून १९९७

प्रश्न.७. निम्न विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(६ गुण)**

१. ''वचनामृत लिखे मैंने, परन्तु उसका पूरा और सही मतलब स्वामी के समागम से ही समझ रहा हूँ ।'' २४
२. ''मेरे मन की यह झंझट आप ही को नीपटानी है ।'' २
३. ''प्रत्येक घोड़ी-घोड़े पर मुझे आपके दर्शन हुए ।'' ३७

प्रश्न.८. निम्न विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) **(४ गुण)**

१. भगतजी महाराज जेठाभाई को गले मिले । ५०
२. जोबनपगी की माता भी हरिभक्त बन गई । ४०

प्रश्न.९. निम्नलिखित वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । **(५ गुण)**

विषय :- पार्षद जेठाभाई की सेवाएँ । ५०

१. मुंबई, बदौडा, जूनागढ, गढडा आदि मन्दिरों में उन्होंने कोठारी के रूप में काम किया । **२.** जेठाभाई से मिलकर मनोरथ पूर्ण किया । **३.** महुवा में भगतजी महाराज की बिमारी में निजी सेवा की । **४.** भगतजी महाराज एवं स्वामी जागा भक्त दोनों सत्पुरुष के आशीर्वाद प्राप्त किए । **५.** सोये हुए भगतजी नींद में से जागकर जेठाभाई के संकल्प जान गये । **६.** ''तुम पर भगवान और साधु-संतों की अखंड कृपादृष्टि बनी रहेगी ।'' भगतजी द्वारा दिया हुआ वर । **७.** भगतजी मिले तो दर्द कम हो । **८.** आचार्य विहारीलालजी के निजी सेवक के रूप में पत्रव्यवहार और साहित्य सेवा का काम करते थे । **९.** भगतजी के स्नेह पूर्ण शब्दों से जेठाभाई को आनंद हुआ । **१०.** पीज के संघ के साथ महुवा गये उस समय जेठाभाई को बुखार आया था ।

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्रश्न.१०. निम्न प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । **(४ गुण)**

१. जीवुबा भगवान की कृपा से कैसी दृष्टिवाली थीं ? ४५
२. पुरुषोत्तमपुरा में हुए नुकसान को देखकर स्वामीश्री ने क्या कहा ? ६२
३. झीणाभाई ने कमलशीभाई की चारपाई उठाई उससे प्रसन्न होकर श्रीजीमहाराज ने उन्हें कितनी बार गले लगाया ? ३२
४. श्रीरंगदास को महाराज दूसरे किस नाम से और क्यों पुकारते थे ? ४

प्रश्न.११. निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. तुम्हारे सारे दु:ख मेरी गद्दी के नीचे । ६०
२. श्रीजीमहाराज द्वारा पंचाला में किया गया फूलदोलोत्सव । २९
३. निर्गुण स्वामी की कार्यशक्ति एवं गुरुभक्ति । ५६

प्रश्न.१२. नीचे दिए हुए वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । **(४ गुण)**

१. जेठाभाई बदौडा में कलाभवन में अध्ययन करने के लिए गए थे । ४९
२. दादाखाचर ने विप्र जगन्नाथ को साधु बनाने के लिए महाराज से निवेदन किया । २१
३. देवीदान का जन्म धींगडा गाँव में हुआ था । १५
४. मूली मंन्दिर की मूर्तिप्रतिष्ठा वरताल के आचार्यश्री के हस्त से हुई । १०

विभाग-३ : निबंध

प्रश्न.१३. निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए। **(१५ गुण)**

१. जीवन में गुरु की आवश्यकता । २. कलयुग में शिक्षापत्री के नियमों की आवश्यकता ।
३. दिल्ली अक्षरधाम दर्शन - एक अविस्मरणीय यात्रा ।

नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १६ जुलाई, २००६ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं।